>

Title: Need to develop region around Karu Khirhari temple in Saharsa district, Bihar as a tourist place.

श्री दिनेश चन्द्र यादव (खगड़िया): बिहार राज्य के सहरसा जिला अंतर्गत महिषी दक्षिणी पंचायत के महपुरा में बाबा कारू खरहरी स्थान कोशी नदी के किनारे अवस्थित है। 17वीं शताब्दी में मिथिला के गौरव गाथा के इतिहास में बाबा कारू खिरहर एक महान सत्यवान और सिद्ध पुरूष हुए। कहा जाता है कि बाबा कारू खिरहर की लाखों गाएँ थीं। ये पशु देवता के रूप में जाने जाते हैं। प्राचीन काल से ही कई क्विंटल दूध प्रतिदिन बाबा कारू खिरहर स्थान में पशु पालक चढ़ावा चढ़ाते हैं। दशहरा के अवसर पर तो कई टन दूध चढ़ता है जिसका खीर बनाकर प्रसाद वितरित किया जाता है। बाबा के सेवक जिस दूध का खीर नहीं बना पाते उसे कोशी नदी में बहा दिया जाता है। कोशी एवं मिथिला के क्षेत्रों में गाय एवं भैसों को बच्चा होने पर बाबा कारू स्थान में पशुपालक उसके दूध का चढ़ावा करते है। मान्यता है कि बाबा कारू खिरहर के लहटा बथान (बरैठा) पर बीमार पशु को ले जाने पर वह ठीक हो जाता है। आज भी बाबा कारू खिरहर लोक देवता के रूप में पूजे जाते हैं। यहां लाखों पर्यटक प्रत्येक साल आते हैं। करोड़ों लोगों का यह श्रद्धा केंद्र है। इसका बहुत ही ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व है।

अतः सरकार (पर्यटन मंत्रालय) उपरोक्त स्थल को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करें।